जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

03 अक्टूबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने की एस्ट्रोफिजिक्स पर भारत-दक्षिण अफ्रीका कार्यशाला (आईएसएडब्ल्यूए-2023) की मेजबानी

सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र (सीटीपी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने एस्ट्रोफिजिक्स पर इंडो-साउथ अफ्रीका वर्कशॉप (आईएसएडब्ल्यूए-2023) की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जो एस्ट्रोफिजिक्स में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक अग्रणी सहयोगात्मक प्रयास है। कार्यशाला 27 सितंबर को शुरू हुई और 29 सितंबर, 2023 को समाप्त हुई। उद्घाटन समारोह में प्रोफेसर सुनील महाराज, क्वा-ज़ुलु नतल विश्वविद्यालय (यूकेजेडएन), डरबन, दक्षिण अफ्रीका, प्रोफेसर (डॉ.) इकबाल हुसैन, सम-कुलपति (पीवीसी), जेएमआई और सीटीपी, जेएमआई के प्रोफेसर सुशांत घोष, प्रोफेसर इकबाल हुसैन ने उद्घाटन समारोह में ने भाग लिया।

जामिया परिसर में आयोजित ISAWA-2023, भारत और दक्षिण अफ्रीका के खगोल भौतिकीविदों, शोधकर्ताओं और शोधार्थियों को एक साथ आने, विचारों का आदान-प्रदान करने और ब्रह्मांड की गहरी समझ को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। इस सहयोगात्मक पहल का उद्देश्य दोनों देशों के बीच वैज्ञानिक संबंधों को मजबूत करना और खगोल भौतिकी में प्रगति को गति देना है।

प्रतिष्ठित खगोल भौतिकीविदों और विद्वानों, क्वा-ज़ुलु नतल विश्वविद्यालय (यूकेजेडएन), डरबन के प्रोफेसर सुनील महाराज और सीटीपी, जामिया के प्रोफेसर सुशांत घोष ने भारत-दक्षिण अफ्रीका सहयोग और आईएसएडब्ल्यूए-2023 के लक्ष्यों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का उद्देश्य ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, अनुसंधान साझेदारी को सुविधाजनक बनाना और खगोल भौतिकी में अत्याधुनिक विषयों की खोज करना है।

प्रोफेसर सुनील महाराज ने उद्घाटन सत्र में गुरुत्वाकर्षण और उच्च आयामों के दिलचस्प विषयों पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया। एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम के प्रोफेसर मयूख गंगोपाध्याय ने "गुरुत्वाकर्षण तरंगें और प्राइमर्डियल ब्लैक होल: प्रिसिजन कॉस्मोलॉजी के अगले फ्रंट" पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। डॉ. सायंतन ने "प्राइमर्डियल ब्लैक होल फॉर्मेशन के क्वांटम फील्ड थ्योरी प्राइमर: कॉस्मोलॉजी के लिए एक अंतिम रोडमैप" में मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की, जिससे ब्रह्मांड के मूलभूत पहलुओं के बारे में चर्चा शुरू हुई। अशोक विश्वविद्यालय से डॉ. दिब्या चटर्जी ने सैद्धांतिक भौतिकी में रहस्यमय आयामों की खोज करते हुए "द कॉन्सपिरेसी ऑफ डीएस स्पेस इन स्ट्रिंग थ्योरी (?)" शीर्षक से एक वक्तव्य दिया। यूकेजेडएन के प्रोफेसर केश गोवेंडर ने खगोल भौतिकी के उन्नत गणितीय पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए "सामान्य सापेक्षता में उत्पन्न होने वाले कुछ समीकरणों का विश्लेषण" किया।

कार्यशाला में चार पूर्ण वार्ताएं और सात आमंत्रित वार्ताएं शामिल थीं, जिनमें से प्रत्येक में सैद्धांतिक अवधारणाओं से लेकर नवीन अनुसंधान तक, खगोल भौतिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया।

ISAWA-2023 में दक्षिण अफ्रीका के दस प्रतिष्ठित विद्वानों सहित 40 लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन ने सीमा पार सहयोग को और अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण के माहौल को बढ़ावा दिया।

ISAWA-2023 में भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी स्कॉलर्स के बीच यह सहयोग खगोल भौतिकी और ब्रह्मांड की हमारी समझ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सहयोग की मुख्य विशेषताएं:

1. ज्ञान का आदान-प्रदान: यह सहयोग भारत और दक्षिण अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को खगोल भौतिकी में अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान साझा करने के लिए एक साथ लाता है, जिससे विषय की समग्र समझ को बढ़ावा मिलता है।

2. अनुसंधान के अवसर: ISAWA-2023 संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अवसर प्रदान करता है, जिससे वैज्ञानिकों को अत्याधुनिक खगोल भौतिकी अनुसंधान पर सहयोग करने में मदद मिलती है, जिसमें ब्रह्मांड विज्ञान, गुरुत्वाकर्षण तरंगें, ब्लैक होल और बहुत कुछ जैसे विषय शामिल हैं।

3. शैक्षिक पहल: सहयोग में दोनों देशों में खगोल भौतिकीविदों और वैज्ञानिकों की अगली पीढ़ी के पोषण के लिए शैक्षिक कार्यक्रम, छात्र आदान-प्रदान और परामर्श के अवसर शामिल हैं।

4. अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग: ISAWA-2023 नेटवर्किंग के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है, जो प्रतिभागियों को विविध पृष्ठभूमि के साथियों और विशेषज्ञों के साथ संबंध बनाने में सक्षम बनाता है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया